



karmakand By s. Acharya



🌸 JAI MAHAKALI 🌸

SHABAR ITRA MOHINI SADHNA

🌸 Sri ganeshaya nama 🌸

🌸 Sri navnathaya nama 🌸

🌸 Sri shivaya namastubhyam 🌸

🌸 साधना सामग्री :- रुद्राक्ष माला , एक आसन, मोहिनी यंत्र, मोहिनी मंत्र, इत्र में :- काले उध का इत्र नहीं मिले तो कस्तूरी का इत्र प्रयोग करे अच्छे खुशबू और स्ट्रॉन्ग वाला, शुद्धिकरण के लिए गुलाबजाल, सुगंधित पुष्प, गुलाब इत्र ५ ml 3 बोटल , भोग में दूध की मिठाई , २ लोंग २ इलाची, बताशे, ५ मीठे पान का बीड़ा, लकड़ी का आसान और एक लाल कपड़ा जिसपर यंत्र और इत्र बॉटल रखा जाय, एक घी का दीपक जिसमे ३ ड्रॉप सुगंधित गुलाब इत्र डालकर जलाए, साधना से पहले इसकी धूनी दे अंग्यारी के ऊपर :- गुगल, २ लोंग, २ इलाइची, २ कपूर की टिकिया और २ टुकड़े दालचीनी का .

🌸 हवन सामग्री :- एक नारियल , १ गोबर का कांडा, 50 ग्राम घी , एक गुलाब इत्र 5 ml, कपूर, हवन सामग्री :- शक्कर २० ग्राम, गुड १० ग्राम , तिल - १० gram , और २ चम्मच शहद मिक्स करके हवन सामग्री बनाव .

यह साधना १ दिवस्य है जो सिर्फ अमावस्या की रात्रि को किया जाता है परंतु इसका यंत्र निर्माण अमावस्या से एक दिन पहले किया जाता है इसलिए प्रथम यंत्र निर्माण करे

यंत्र निर्माण विधि:-

30	2	9	16	23	M
31	3	10	17	24	T
	4	11	18	25	W
	5	12	19	26	T
	6	13	20	27	F
	7	14	21	28	S
1	8	15	22	29	S

★ मोहिणी मंत्र और यंत्र ★

★ शाबर इत्र मोहिणी प्रयोग यंत्र ★

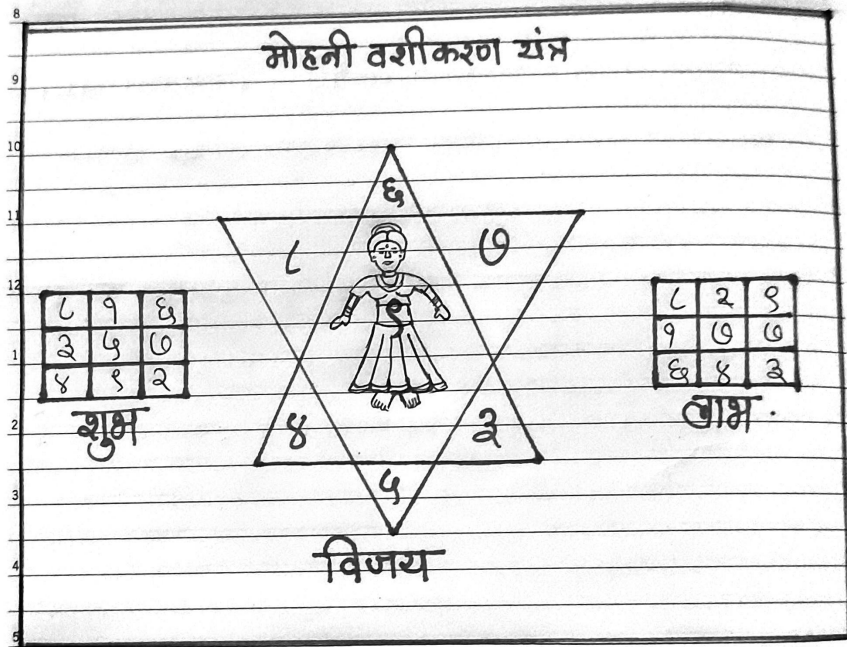
श्री गणेशाय नमः श्री नवनाथाय नमः श्री गुरुभ्यो नमः

इत्र मोहिनी साधना में प्रयोग होने वाला यंत्र. इस यंत्र को अमावस्या से पहले के दिन अमृत मुहूर्त में लाजवती के पौधे की जड़ पुजा और आभूषण लेकर घर में लारा। इसे गंगाजल या गुलाबजल में डुबोकर बुद्ध करे और साफ करे। बाद में काली हलदी की गाढ़ और लाजवती की जड़ी को राक शिलबेट पर सिंदूर मिलाकर घिसे और उसका लेप बनाए। फिर शुभ मुहूर्त में या लाभ मुहूर्त में उसी दिन दिये गए यंत्र को आज पत्र पर लिखे उस लेप की आहुति से।

यंत्र बनाने की विधि: राक घी का दीपक जलाकर उसके सामने राक बाजोट पर आज पत्र बिजाकर राजमोहिनी की दण्डल से या नहीं मिले तो अनार या बेल की दण्डल को कलम बनाकर अंक यंत्र को पहले उसके घर बनाकर उसमें सबसे पहले छोटे अंक लिखे और बड़े अंक को आखिर में लिखे अंक यंत्र में और आकृति यंत्र को * श्री ये से ही लिखे।

यंत्र को धूप, दीप, इत्र की राक छिटा, लाल चावल और चंदन पावडर को यंत्र पर चढ़ाए और अपनी अनामीका यानी Ring Finger को यंत्र पर रख कर 2017 इस मंत्र को 11 बार बोलें।

★ मोहिनी यंत्र ★



6

NOVEMBER • SATURDAY 10

यंत्र को जागृत करने का मंत्र ॥ बार Ring Finger रख कर बोल :-

मोहिनी मोहिनी महा मोहिनी विष्णु की छाया नारायण की माया स्वर्ग से पधारो दस दिशा से ~~पधारो~~ पधारो आओ माया यंत्र में विराजो, भगत बुलावे तु चली आवे पुष्पा दो भोग लगाऊ न आवे तो नारायण की दुहाई माहामाया की दुहाई बंगाल भवानी की आन ।

★ इस मंत्र को ॥ बार पढ़कर यंत्र में स्थापना करे ↑

साधना विधि:-

अमावस्या से पहले ही यंत्र का पूजन और स्थापन करे . अमावस्या प्रारंभ होने के बाद पूरे घर में गुलाब जल छिड़के और साधना कक्ष में भी उसे छिड़के। साधना कक्ष में एक लकड़ी का आसन लगाय और लाल कपड़ा बिछाकर उसपर यंत्र रखे उसके सामने कस्तूरी या काले उद का इत्र यंत्र पर थोड़ा चढ़ाकर उस यंत्र के सामने वहा इत्र की बोटल रखे और उसी बॉटल और यंत्र की तरफ पॉइंट करके इत्र और घी मिलाकर महा मोहिनी का नेम लेकर दीपक जलाए .

फिर गुगल, कपूर, इलाइची, लोंग, दालचीनी का धूप यंत्र, इत्र और साधना कक्ष के सभी देवी देवता को दे और पूरे रूम में घुमाए। इसके बाद गणेश, कुलदेवता, ईस्ट देवता और गुरु देवता को प्रणाम करे फूल, चावल, अस्तागंध, कुमकुम और मीठे पान का बीड़ा सभी को दे और इसका भोग लगाए आखिर में मोहिनी यंत्र पर फूल, चावल, कुमकुम और मीठा पान का बीड़ा का भोग दिखायें

बाद में आसन पर विराजमान होकर जाप के रुद्राक्ष के माला पर गुलाब इत्र को पूरे माला पर मल कर रखे और संकल्प ले संकल्प में तिथि, नक्षत्र, दिन, गोत्र, कुल और पिता का नाम बताए फिर स्तन, जगह और ग्रामीण देवता का नेम बताए और कहे की हे महा मोहिनी, तीनों लोकों को मोहित करने वाली आकर्षण शक्ति, सौंदर्य वती देवी में आपकी शाबर इत्र मोहन एक दिवस्या साधना कर रहा हूँ मैं मंत्र के ११ माला करके आपके इत्र को सिद्ध कर रहा हूँ कृपया मेरी इस साधना में योगदान करे और इस इत्र में आपका मोहन शक्ति प्रदान करे और भूल चूक के लिए क्षमा प्रदान करे मैं ईस्ट देवता को साक्षी मानकर संकल्प लेता हूँ। यह कहकर हाथ में जो पुष्प, चावल, सिंदूर और जल को यंत्र के और दीपक के सामने छोड़ दे और जाप प्रारंभ करे :-

जाप विधि

गणेश मंत्र :- **om gam ganapataya nama -१०८ १ mala**

कुलदेवता मंत्र :- **om kuldevtaya nama -१०८ १ mala**

गुरु मंत्र :- ***** १०८ १ माला अगर नहीं है तो पंचाक्षर करो

क्षेत्र पाल मंत्र :- **om sham shatrapalaya nama १०८ १ mala**

शाबर सिद्ध मंत्र :- **om shabar siddhay nama १०८ १ mala**

मोहिनी शाबर मंत्र :- ११ माला ११×१०८=११८८ बार बोले

1 3 10 17 24 31

इत्र मोहिनी मंत्र

सत नमो आदेश गुरु को आदेश मोहिनी मोहिनी महामोहिनी
देव कुल की मोहिनी माया स्वरूपी यह इत्र तेरे नाम का
यह इत्र तेरे मोह का बन् से राजा मोहे प्रजा मोहे
मोहे तिनों लोक पंचभूत का बारीर मोहे पंचतत्व की
शक्ति मोहे न मोहे तो नारायण का क्रोध बरसे मोहिनी
की शक्ति तरसे पंचरुद्र का प्रकोप बरसे मोहिनी
सौंदर्य के लिरा तरसे बतने से मोहिनी ना चले तो
अगवती की दुहाई ओरखनाथ आदेश लगे अलख
पुरुष की शक्ति चले इतना मंत्र संपूर्ण आया
गुरु की शक्ति मेरी शक्ति से चलाया।

मंत्र जप के बाद उस माला को इत्र के बॉटल से स्पर्श करे ११ बार और ११ बार मंत्र बोलकर उस इत्र पर ११ बार फूक मारे।

आसन से उठने से पहले आसन के नीचे के धूल अपने माथे पर लगाय ताकि जाप का पूर्ण फल मिले और लोटे के जल को १० दिशा में छिड़क कर उठकर हवन की तयारी करे

हवन विधि :-

नारियल के भेट मोहिनी को देकर उसे गोबर के कंडे के माध्यम से जलाए और उस पर कपूर से अग्नि लगाय फिर घी में इत्र डालकर घी की आहुति दे :-

घी से

गणेश मंत्र :- **om gam ganapataya nama** -११ आहुति

कुलदेवता मंत्र :- **om kuldevtaya nama** -११ आहुति

गुरु मंत्र:- ***** अगर नहीं है तो पंचाक्षर करो ११- आहुति

क्षेत्र पाल मंत्र :- **om sham shatrapalaya nama** -११ आहुति

शाबर सिद्ध मंत्र :- **om shabar siddhay nama** - ११ आहुति

इत्र शाबर मोहिनी का ११ आहुति हवन सामग्री से और आखिर में ५ बार घी में तर्पण दे और मर्जन के तोर पर घी को आखिर में एक बार अपने सिर थोड़ा छिड़के और पूर्ण आहुति में एक सुपारी बगला पान के ऊपर रखकर पूर्ण आहुती मंत्र बोले और घी की धार आखिर में दे अग्नि को प्रणाम करके उस इत्र के बॉटल को ११ बार अग्नि कुंड की परिक्रमा करे **clock wise or anti clock wise** और इत्र का प्रयोग करते समय शाबर मंत्र एक बार ही बोलकर फूक मारके अपने नाभी और कपड़े पर लगाय और जब भी इत्र खतम हो तो पुराने इत्र के बॉटल में से एक ड्रॉप न्यू बॉटल में डालकर ११ बार बोलकर फूक लगाय और इस्तमाल करते रहे .

अभिमंत्रित इत्र का फायदा:-

- १) कोई भी इंटरव्यू क्लियर होगा अगर नसीब खराब ही तो यह इत्र सहायता करके नोकरी लगा देगा पूर्ण श्रद्धा से करे
- २) अगर कोई कंपनी में काम करता है और बॉस को अपना मित्र बनाकर काम के तनाव को कम करना चाहता है तो इत्र से यह संभव होगा
- ३) पति - पत्नी में प्यार नहीं बाड रहा तो निश्चित बड़ेगा
- ४) घर में सभी का प्रेम और आदर मिलेगा और सभी बात मानेंगे
- ५) बिजनेस मीटिंग में इत्र लगाकर जाने से मीटिंग का सक्सेस रेट १००% होगा
- ६) अगर किसीको सच्चा मित्र प्रेम चाहिए तो मिलेगा
- ७) यह इत्र सामूहिक वसीकरण भी करता है इसलिए पॉलिटिक्स में खास प्रयोग होता है
- ८) साधक इसे सक्तियो को जल्दी प्रसन्न और मोहन में इस्तमाल करे बड़ा कमाल का रिजल्ट है

धन्यवादआदेश ...